भारतीय वानिकी अनुसंधान एवं शिक्षा परिषद्

वानिकी समाचार

वर्ष 14 सं. 3

मार्च 2022

आज़ादी का अमृत महोत्सव

अनुक्रमणिका

	पृष्ठ सं.
वृक्ष उत्पादक मेला	01
आजादी का अमृत महोत्सव	01
महत्त्वपूर्ण अनुसंधान निष्कर्ष	03
परामर्श	04
प्रदर्शनी में प्रतिभाग	04
कार्यशालाएं	04
प्रशिक्षण कार्यक्रम	05
प्रकृति कार्यक्रम	08
प्रदर्शन कार्यक्रम	09
समझौता ज्ञापन	09
गणमान्य व्यक्तियों का दौरा	09
आकाशवाणी/दूरदर्शन के माध्यम से प्रसार	10
मानव संसाधन समाचार	10

वृक्ष उत्पादक मेला

उ.व.अ.सं., जबलपुर ने केवीके, मंडला (म.प्र.) में नाबार्ड और भा.वा.अ.शि.प. के सहयोग से किसान मेला का आयोजन किया

व.व.अ.सं., जोरहाट ने "अगरकाष्ठ किसानों के लिए अगरकाष्ठ सह वृक्ष उत्पादक मेला पर दूसरे राष्ट्रीय सेमीनार" का आयोजन किया

- उ.व.अ.सं., जबलपुर ने 11 मार्च 2022 को कृषि विज्ञान केंद्र, मंडला में नाबार्ड और भा.वा.अ.शि.प. के सहयोग से "किसान मेला" का आयोजन किया। यह मेला विभिन्न सरकारी संस्थानों और गैर–सरकारी संगठनों द्वारा विकसित सहज हस्तांतरणीय प्रौद्योगिकियों के साथ किसानों की सहायता पर केंद्रित था। इसने कृषि वानिकी और वानिकी गतिविधियों में वित्तीय योजनाओं और समर्थन के साथ अकाष्ठ वन उत्पाद और औषधीय पादपों के व्यापारियों सहित किसानों, आदिवासियों और अन्य वन आश्रित समष्टियों को परिचित कराने के लिए मंच भी प्रदान किया।
- व.व.अ.सं., जोरहाट ने 24 और 25 मार्च 2022 को व.व.अ.सं., जोरहाट, असम में आयोजित "अगरकाष्ठ किसानों के लिए अगरकाष्ठ सह वृक्ष उत्पादक मेला पर दूसरे राष्ट्रीय सेमीनार" का आयोजन किया।

आज़ादी का अमृत महोत्सव

आजादी का अमृत महोत्सव

- व.अ.सं., देहरादून ने ''वानिकी बीज प्रमाणन मानक'' पर एक दिवसीय वर्चुअल सेमीनार का आयोजन किया।
- व.अ.सं., देहरादून ने 25 मार्च 2022 को "प्राकृतिक संसाधनों की संवहनीयता के लिए काष्ठ विज्ञान में प्रगति" पर अंतर्राष्ट्रीय सेमीनार का आयोजन किया।

व.अ.सं., देहरादून ने 'वानिकी बीज प्रमाणन के मानक' पर एक दिवसीय वर्चुअल सेमिनार का आयोजन किया

- व.आ.वृ.प्र.सं., कोयम्बत्तूर ने संवहनीय वानिकी के महत्व के बारे में छात्रों और आम जनता के बीच जागरूकता पैदा करने के लिए 21 मार्च 2022 को अंतर्राष्ट्रीय वन दिवस 2022 मनाया।

- हि.व.अ.सं., शिमला द्वारा 11 मार्च 2022 को "जल ही जीवन" विषय पर कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस कार्यक्रम में वैज्ञानिकों, अधिकारियों और कर्मचारियों ने भाग लिया।
- शु.व.अ.सं., जोधपुर द्वारा 8 मार्च 2022 को अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस का आयोजन किया गया।
- शु.व.अ.सं., जोधपुर द्वारा 21 मार्च 2022 को "वानिकी अंतःक्षेपों के माध्यम से अवक्रमित भूमि की पुर्नःस्थापना" विषय के अंतर्गत विश्व वानिकी दिवस मनाया गया।
- व.उ.सं., रांची द्वारा 4 मार्च 2022 को प्रदर्शन ग्राम कुटाम, तोरपा खूंटी में "लाख की खेती के माध्यम से आजीविका सृजन" पर प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किया गया, जिसमें गांव के 40 प्रतिभागियों ने भाग लिया।
- व.उ.सं., रांची द्वारा 8 मार्च 2022 को सिरका, एमपीआई, रामगढ़ में क्षेत्रीय स्तर पर ''लैंगिक भेदभाव के विरूद्ध महिलाओं का सशक्तिकरण'' विषय के अंतर्गत अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस मनाया गया, जिसमें लगभग 50 प्रतिभागियों ने भाग लिया।
- का.वि.प्रौ.सं., बेंगलुरु द्वारा 21 से 22 मार्च 2022 को "भारत में सागौन काष्ठ संवर्धनः आगे का रास्ता" पर एक वेबिनार का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में राज्य वन विभागों, विश्वविद्यालयों और वानिकी कॉलेजों का प्रतिनिधित्व करने वाले लगभग 95 सदस्यों ने भाग लिया।
- का.वि.प्रौ.सं., बेंगलुरु द्वारा छात्रों, शोधकर्ताओं, शिक्षाविदों, किसानों और अन्य अंतिम उपयोगकर्ताओं के लिए 25 मार्च 2022 को "चंदन की खेती और इसका स्वास्थ्य प्रबंधन" पर वेबिनार का आयोजन किया गया। कार्यक्रम से लगभग 150 प्रतिभागियों ने लाभ उठाया।
- का.वि.प्रौ.सं., बेंगलुरु ने 28 मार्च 2022 को "भारत में कृषि काष्ठ आधारित क्षेत्र को पुनर्जीवित करने के लिए एक कार्य की आवश्यकता है" पर वेबिनार का आयोजन किया।
- उ.व.अ.सं., जबलपुर ने 21 मार्च 2022 को अंतर्राष्ट्रीय वन दिवस, 2022 मनाया।
- व.जै.सं., हैदराबाद द्वारा 21 मार्च 2022 को "वन और संवहनीय उत्पादन एवं उपभोग" विषय के अंतर्गत अंतर्राष्ट्रीय वन दिवस, 2022 मनाया गया। कार्यक्रम में व.जै.सं. के अधिकारियों के कुल 28 सदस्यों ने भाग लिया।
- व.जै.सं., हैदराबाद ने 25 मार्च 2022 को वन मृदा प्रबंधन पर एक कार्यक्रम का आयोजन किया, इस कार्यक्रम का उद्देश्य मृदा संरक्षण और प्रबंधन पद्धतियों का संदेश फैलाना है। इस कार्यक्रम में कुल 15 अधिकारियों/वैज्ञानिकों और तकनीकी कर्मचारियों ने भाग लिया।
- व.जै.सं., हैदराबाद ने 28 मार्च 2022 को कृषिवानिकी– सफलता की कहानी में अंतरासस्यन के रूप में इंसुलिन पादपों पर एक कार्यक्रम आयोजित किया। इस कार्यक्रम में कुल 18 अधिकारियों/वैज्ञानिकों और तकनीकी कर्मचारियों ने भाग लिया।

हि.व.अ.सं., शिमला ने "जल ही जीवन" कार्यक्रम पर मनाया

शु.व.अ.सं., जोधपुर ने अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस मनाया

व.उ.सं., रांची ने अंतरराष्ट्रीय महिला दिवस मनाया

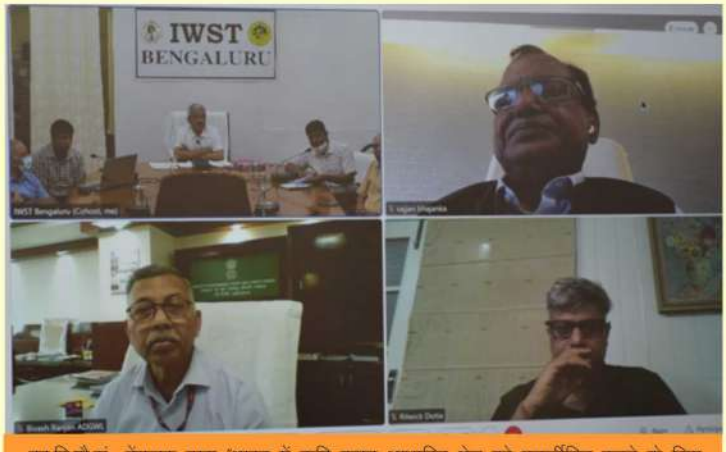

का.वि.प्रौ.सं., बेंगलुरु द्वारा "भारत में कृषि काष्ठ आधारित क्षेत्र को पुनर्जीवित करने के लिए एक अधिनियम की आवश्यकता है" पर वेबिनार का आयोजन किया गया

महत्वपूर्ण अनुसंधान निष्कर्ष

वन अनुसंधान संस्थान, देहरादून

- ओडिशा राज्य वन विभाग द्वारा "राज्य वन विभाग, ओडिशा के लिए गुणवक रोपण सामग्री के विकास के लिए मानक संचालन प्रक्रियाओं का विकास" परियोजना के अंतर्गत ओडिशा राज्य वन विभाग द्वारा सूचीबद्ध 30 वृक्ष प्रजातियों के लिए बीज प्रबंधन और संग्रह पर एक मसौदा मैनुअल तैयार किया गया।

- कांजीलाल की वनस्पतियों के संशोधन पर परियोजना के अंतर्गत, वन वनस्पतियों की समृद्धि जानने के लिए उत्तराखंड में अराकोट, बलचा, लम्बाथच, तियूनी और आस–पास के क्षेत्रों में सर्वेक्षण किया गया तथा निम्नलिखित प्रजातियों की सूचना दी गईः *टैक्सस बकाटा, एबीज पिंड्रो, एस्कुलस इंडिका, रोडोडेंड्रोन अर्बोरेटम, इलेक्स ओडोराटा, वीबर्नम कोटिनिफोलियम, फाइकस स्कैंडेंस, स्पाइरिया, कैनेसेन्स, मौतिया पुया, पिएरिस ओवेलिफोलिया, रूबस बाइफ्लोरस, ज़ैंथोजाइलम अलेटम, ग्लोचिडियन वेलुटिनम, रोजा मोस्काटा, प्रिंसेपिया यूटिलिस, हेडेरा हेलिक्स, सरकोक्का सालिग्ना, क्वेरकस फ्लोरिबंडा, ओरिगेनम वल्गारे, कोटोनिस्टर बेसिलेरिस, पर्सिरेरिया एम्प्लेक्सीकॉलिस, सिलेनी वल्गारिस, ओनोथेरा रोसिया, जिजिफस ओनोप्लिया, जैस्मीनम ऑफिसिनेल, बेटुला अल्नोइड्स, लोनिसेरा एंगस्टिफोलिया, रस सेमियालाटा, अल्नस नाइटिडा, सरकोकोका सालिग्ना, हेडिचियम कोरोनेरियम, ड्यूट्ज़िया स्टैमिनिया*।

- बागेश्वर वन प्रभाग यथा ग्लेशियर, कपकोट, बागेश्वर रेंज में सर्वेक्षण में 32 वृक्षों, 27 शाकों और 09 आरोही का अभिज्ञान किया गया। नामावली का अद्यतनीकरण और प्रजातियों का विवरण किया जा रहा है।

- *एगेरेटिना एडिनोफोरा* (क्रोफ्टन खरपतवार) मेक्सिको का स्थनीय है और भारत में एक अलंकारी पादपों के रूप में प्रस्तुत किया गया। अब यह कृषि के साथ–साथ वन पारिस्थितिकी तंत्र में एक गंभीर खरपतवार बन गया है। यह देशी प्रजातियों या वांछनीय वनस्पतियों को प्रतिस्थापित करता है। देहरादून, मसूरी, कालसी, टोंस और ऊपरी यमुना प्रभाग से पित्त उत्प्रेरण मक्खी, *प्रोसेसिडोकेरेस यूटिलिस* अष्टि (डाइप्टेराः ट्राइपेटिडी) दर्ज की गई। *ए. एडिनोफोरा* पर तना पित्त की मध्यम से आपतन पाई गई, जिसका उपयोग क्रॉफ्टन खरपतवार के जैविक नियंत्रण के रूप में किया जा सकता है।

एगेरेटिना एडिनोफोरा

प्रोसेसिडोकेरेस यूटिलिस अष्टि वयस्क

वन आनुवंशिकी और वृक्ष प्रजनन संस्थान, कोयम्बत्तूर

- *"राइज़ोफोरा म्यूक्रोनाटा* की जड़ों को छोड़कर लवण के ट्रांसक्रिप्टोम विश्लेषण" पर एक अध्ययन में, लवण–सहिष्णु प्रजातियों *आर. म्यूक्रोनाटा* और लवण सुग्राहि *आर. एपिकुलाटा* की लवण सहिष्णु प्रजातियों के ट्रांसक्रिप्टोम प्रतिक्रियाओं की तुलना की गई। ट्रांसक्रिप्टोम डेटा इलुमिना प्लेटफॉर्म का उपयोग करके डी–नोवो आरएनए–सेक द्वारा उत्पन्न किया गया। डेटा से प्रकट हुआ कि *आर. एपिकुलाटा* की 250 एमएम–एनएसीएल उपचारित जड़ों में 3573 विभेदित रूप से व्यक्त जीन (डीईजी), *आर. म्यूक्रोनाटा* की 250 एमएम–एनएसीएल उपचारित जड़ों में 3573 डीईजी, और अनुपचारित *आर. एपिकुलाटा* और *आर. म्यूक्रोनाटा* के बीच डीईजी के 9309 हैं।

- अन्य प्राप्तियों की तुलना में क्षेत्र में *नियोलामार्किया कदम्बा* प्राप्तियों जैसे 105, 111, 112, 115, 116, 139 और 144 का विकास निष्पादन बेहतर पाया गया।

- दूसरी पीढ़ी के *यूकेलिप्टस कैमलडुलेंसिस* कृंतक परीक्षण कृंतकों जैसे 308, 235, 318 में अन्य सभी कृंतकों की तुलना में बेहतर विकास प्रदर्शन था।

- *टेक्टोना ग्रैंडिस, ऐलेन्थस एक्सेलसा, टेरोकार्पस सैंटलिनस* और *मीलिना अर्बोरिया* की पत्तियों से पृथक सूक्ष्म संपुटित कीटरोगजनक अंतरःपादपीय कवक (13 संख्या, एनसीबीआई जीनभण्डार में जमा अनुक्रम) को लाभार्थी जीवों पर बिना किसी विषाक्तता के लक्षित कीट के विरूद्ध महत्वपूर्ण जैवपीड़कनाशी क्षमता प्रेक्षित की गई और सूक्ष्म जैवपीड़कनाशी के विकास में आशाजनक पाया गया।

उष्णकटिबंधीय वन अनुसंधान संस्थान, जबलपुर

- मच्छर रोधी अगरबत्ती की तिल्लियां विकसित की गईं। उनके मच्छर भगाने के लिए कुल 10 विभिन्न सूत्रों का परीक्षण किया गया और 90% से अधिक प्रतिकर्षण पाया गया।

- सूखे *मधुका लोंगिफोलिया* (महुआ) के फूलों से एनर्जी बार विकसित किए गए और उपभोक्ताओं द्वारा स्वीकार्य पाए गए।

मच्छर विकर्षक अगर–बत्ती की छड़ें

काष्ठ विज्ञान और प्रौद्योगिकी संस्थान, बेंगलुरु

- कुद्रेमुख राष्ट्रीय उद्यान के बाघावती प्रकृति शिविर में स्वचालित मौसम केन्द्र स्थापित किया गया।
- अंशी डांडेली टाइगर रिजर्व में 350 पादपों और कुद्रेमुख राष्ट्रीय उद्यान के 400 पादपों में चिह्नित वृक्ष प्रजातियों का ऋतुजैविकी प्रेक्षित किया गया और डेटा दर्ज किया गया तथा ऋतुजैविकी ट्रैक के साथ मृदा आर्द्रता का प्रतिशत निर्धारित किया गया।

हिमालयन वन अनुसंधान संस्थान, शिमला

हिमाचल प्रदेश की लाहौल घाटी की चयनित विभिन्न भूमि उपयोग प्रणालियों में बायोमास और मृदा कार्बन स्टॉक के आकलन पर अध्ययन किया गया। सामान्य तौर पर, बायोमास कार्बन स्टॉक वन प्रणाली (कैल, देवदार, जुनिपर) के लिए सबसे अधिक था, इसके बाद रोपण प्रणाली (पॉपलर, सैलिक्स) तथा अवक्रमित क्षेत्रों के लिए सबसे कम था, जबकि, अन्य भूमि उपयोग प्रणालियों की तुलना में कृषि प्रणाली के लिए मृदा कार्बन स्टॉक अधिकतम था।

वन उत्पादकता संस्थान, रांची

- उत्तरी पश्चिम बंगाल से एकत्रित व.उ.सं., रांची की *बांस वाटिका* में कुल 56 प्रकंद जोड़े गए, जिसमें *बैंबुसा टुल्डा* के 11, *बैंबुसा बालकोआ* के 04, *डेंड्रोकैलामस गिगेंटस* के 05, *गिगेंटोक्लोआ माइनर एमोएनस* के 04, *बैंबुसा चुंगी* के 04, *मालिन बांस* के 10, *घास बांस* के 05, *थायरसोस्टैचिस ओलिवेरी* के 05, *शेरांजी मकला* के 07, *गीता बांस* के 03 शामिल हैं।
- व.उ.सं., रांची परिसर में 108 प्रकंद बांस के सहित एक नई *बांस वाटिका* स्थापित की गई।
- नीम के आनुवंशिक सुधार में बिहार से नीम के 46 नए सीपीटी चुने गए।

परामर्श

भारतीय वानिकी अनुसंधान एवं शिक्षा परिषद, देहरादून

- जॉन माइन (एमएल सं. 2294), ईआरएम ग्रुप ऑफ कंपनीज चित्रदुर्ग जिला, कर्नाटक के लिए आर एंड आर योजना के एम एंड ई के अंतर्गत चित्रदुर्ग, कर्नाटक में पुष्प विविधता और अन्य पहलुओं पर एकत्रित डेटा।
- सतलुज नदी बेसिन पर प्रतिवेदन पर पुनर्विचार पर्यावरण वन एवं जलवायु परिवर्तन मंत्रालय, नई दिल्ली को प्रस्तुत करना।

वन अनुसंधान संस्थान, देहरादून

- परिरक्षक उपचार/परीक्षण, आर्द्र सामग्री और प्रकाष्ठ परीक्षण द्वारा कुल रु. 56241.00 राजस्व हुआ।
- विभिन्न सरकारी विभागों और निजी प्रकाष्ठ व्यापारी से काष्ठ के 11 नमूनों की पहचान करके रु. 1,21,000/– राजस्व के रूप में अर्जित किया गया।

प्रदर्शनी में भागीदारी

- शु.व.अ.सं., जोधपुर ने गुडमलानी, बाड़मेर, पडरू, सिवाना, बाड़मेर में केवीके में भाग लिया।
- शु.व.अ.सं., जोधपुर ने 19 मार्च 2022 को बाड़मेर के पेड्रिस गांव में किसान मेले में भाग लिया।
- व.व.अ.सं., जोरहाट ने "क्षेत्रीय कृषि मेला 2022" की प्रदर्शनी में भाग लिया। व.व.अ.सं., जोरहाट ने 12 से 14 मार्च 2022 तक संस्थान की अनुसंधान एवं विकास गतिविधियों का प्रदर्शन किया।

कार्यशालाएं

क्र.सं.	विषय	तिथि	लाभार्थी
	वन अनुसंधान संस्थान, देहरादून		
1.	आर एंड टी प्रजातियों के खतरे का आंकलन विषय पर कार्यशाला	22 मार्च 2022	-

	वर्षा वन अनुसंधान संस्थान, जोरहाट		
2.	बांस चारकोल उत्पादन और ब्रिकेटिंग पर कार्यशाला	1 मार्च 2022	कार्बी आंगलोंग जिले, असम के ग्रामीण
3.	रेड्ड+ क्षमता निर्माण पर कार्यशाला	28 एवं 29 मार्च 2022	मणिपुर वन विभाग के वन अधिकारी, मुख्य सचिव, वन और पर्यावरण, मणिपुर सरकार और पीसीसीएफ एवं एचओएफएफ, मणिपुर।

व.व.अ.सं., जोरहाट ने बांस चारकोल उत्पादन और ब्रिकेटिंग पर कार्यशाला आयोजित की

व.व.अ.सं., जोरहाट ने रेड्ड+ क्षमता निर्माण पर कार्यशाला आयोजित की

प्रशिक्षण कार्यक्रम

क्र.सं.	विषय	तिथि	लाभार्थी
	वन अनुसंधान संस्थान, देहरादून		
1.	वन अग्नि अनुश्रवण और क्षति आकलन पर प्रशिक्षण	3 से 4 मार्च 2022	-
2.	जल गुणवक सुधार हेतु वन प्रबंधन पर प्रशिक्षण	7 से 11 मार्च 2022	भारतीय वन सेवा के अधिकारी
3.	पर्यावरण अनुकूल विधियों के माध्यम से भीमल (*ग्रेविया ऑप्टिवा*) रेशों के निष्कर्षण हेतु उन्नत प्रौद्योगिकी पर प्रशिक्षण	23 मार्च 2022	उत्तराखंड के किसान, गैर सरकारी संगठन और राज्य वन विभाग

4.	धूपबत्ती निर्माण पर प्रशिक्षण	8 मार्च 2022	मसूरी क्षेत्र की महिला धात्री स्वयं सहायता समूह और बंगलो की कंडी स्वयं सहायता समूह
5.	धूपबत्ती निर्माण पर प्रशिक्षण	8 मार्च 2022	महाविद्यालय के छात्र और संकाय सदस्य।

वन आनुवंशिकी एवं वृक्ष प्रजनन संस्थान, कोयम्बत्तूर

6.	कार्यस्थल पर महिलाओं के यौन उत्पीड़न (रोकथाम, निषेध और निवारण) अधिनियम 2013 पर प्रशिक्षण	10 से 11 मार्च 2022	भा.वा.अ.शि.प. कर्मचारी

व.अ.सं., देहरादून ने जल गुणवक सुधार हेतु वन प्रबंधन पर प्रशिक्षण आयोजित किया

व.आ.वृ.प्र.सं., कोयम्बत्तूर ने कार्यस्थल पर महिलाओं के यौन उत्पीड़न (रोकथाम, निषेध और निवारण) अधिनियम 2013 पर प्रशिक्षण आयोजित किया

काष्ठ विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी संस्थान, बेंगलुरू

7.	मानव संसाधन विकास कार्यक्रम के अंतर्गत काष्ठ सीज़निंग, संरक्षण और सम्मिश्र काष्ठ पर प्रशिक्षण	7 से 11 मार्च 2022	विभिन्न भा.वा.अ.शि.प. संस्थानों के वैज्ञानिक
8.	फिजिकल मोड के माध्यम से काष्ठ उत्पादन और उपयोजन में प्रगति पर एक सप्ताह का अनिवार्य प्रशिक्षण	14 से 18 मार्च 2022	प.व.एवं ज.प.मं. द्वारा नामित सेवाकालीन भा.व.से. अधिकारी

हिमालयन वन अनुसंधान संस्थान, शिमला

9.	बंजर भूमि की पारि–पुनर्स्थापना पर प्रशिक्षण (ऑनलाइन)	2 से 3 मार्च 2022	कृषि, बागवानी, शिक्षा, पंचायती राज संस्थान, राजस्व, सहित विभिन्न विभाग और संगठन, अनुसंधान संस्थानों के तकनीकी कार्मिक और बैंक अधिकारी आदि

10.	बान ओक एवं उच्च परिवर्ती पर्वतीय वनों के कीटों के प्रबंधन पर प्रशिक्षण	6 मार्च 2022	झुँगी वन परिक्षेत्र, पंचायत प्रतिनिधि, महिलाएं, वनमंडलाधिकारी, सुकेत वन मण्डल, संयुक्त निदेशक, हिमाचल प्रदेश वन विभाग अकादमी, सुंदरनगर तथा वन विभाग के अधिकारी एवं कर्मचारी
11.	बान ओक एवं उच्च परिवर्ती पर्वतीय वनों के कीटों के प्रबंधन पर प्रशिक्षण	9 मार्च 2022	कुल्लू वन मण्डल से वन अधिकारी एवं कर्मचारी
12.	राज्य रेड्ड+ कार्य योजना तैयार करने के लिए जम्मू और कश्मीर, केन्द्र शासित प्रदेश के वन विभाग के क्षमता निर्माण पर प्रशिक्षण	9 से 10 मार्च 2022	जम्मू–कश्मीर केंद्र शासित प्रदेश वन विभाग, अन्य संगठन और हि.व.अ.सं., शिमला
13.	वनाग्नि प्रबंधन पर प्रशिक्षण	14 मार्च 2022	हि.व.अ.सं., शिमला के किसान एवं कर्मचारी

वर्षा वन अनुसंधान संस्थान, जोरहाट

14.	"ग्लोबल पोजिशनिंग सिस्टम का उपयोग" पर प्रशिक्षण	1 से 3 मार्च 2022	भा.वा.अ.शि.प. के विभिन्न संस्थानों के तकनीकी कर्मचारी
15.	"बांस हस्तशिल्प" पर कौशल विकास प्रशिक्षण	2 से 12 मार्च 2022	कारीगर
16.	"बांस प्ररोह प्रसंस्करण और मूल्यवर्धन" पर कौशल विकास प्रशिक्षण	7 से 9 मार्च 2022	असम के विभिन्न जिलों के बेरोजगार युवक
17.	"बांस प्ररोह प्रसंस्करण और मूल्यवर्धन" पर कौशल विकास प्रशिक्षण	14 से 16 मार्च 2022	असम के विभिन्न जिलों के बेरोजगार युवक

व.व.अ.सं., जोरहाट ने "बांस हस्तशिल्प" पर कौशल विकास प्रशिक्षण आयोजित किया

व.व.अ.सं., जोरहाट ने "बांस प्ररोह प्रसंस्करण एवं मूल्यवर्धन" पर कौशल विकास प्रशिक्षण आयोजित किया

	वन अनुसंधान केन्द्र – आजीविका विस्तार, अगरतला		
18.	कृमिखाद और पशु पालन पर प्रशिक्षण	10 मार्च 2022	किसान, छात्र और एसएचजी के सदस्य
19.	कम लागत की कृमिखाद तकनीक और आजीविका सृजन पर प्रशिक्षण	25 मार्च 2022	किसान और एसएचजी के सदस्य
20.	कम लागत की कृमिखाद तकनीक और आजीविका सृजन पर प्रशिक्षण	28 मार्च 2022	किसान और एसएचजी के सदस्य
	उष्णकटिबंधीय वन अनुसंधान संस्थान, जबलपुर		
21.	आण्विक जीव विज्ञान तकनीकों और इसके अनुप्रयोग में उन्नत प्रशिक्षण	21 से 25 मार्च 2022	भा.वा.अ.शि.प. के वैज्ञानिक
22.	बांसः प्रसंस्करण और प्रबंधन पर प्रशिक्षण	24 से 25 मार्च 2022	एमएसएमई, महाराष्ट्र के किसान

व.अ.के.–आ.वि., अगरतला ने कृमिखाद और पशु पालन पर प्रशिक्षण आयोजित किया

उ.व.अ.सं., जबलपुर ने बांसः प्रसंस्करण और प्रबंधन पर प्रशिक्षण आयोजित किया

प्रकृति कार्यक्रम

- निट्टे स्कूल ऑफ फैशन टेक्नोलॉजी एंड इंटीरियर डिजाइन, बैंगलोर के बीएससी (इंटीरियर डिजाइन) के 45 छात्रों ने 25 मार्च 2022 को का.वि.प्रौ.सं., बेंगलुरु में यूटीएम लैब, जाइलेरियम, कार्यशाला, काष्ठ संग्रहालय और एडवांस वुडवर्किंग ट्रेनिंग सेंटर का दौरा किया।
- इंपैक्ट स्कूल ऑफ आर्किटेक्चर, बेंगलुरु के बी.आर्क. (II सेम) के लगभग 6 छात्रों ने 28 मार्च 2022 को का.वि.प्रौ.सं., बेंगलुरु में यूटीएम लैब, जाइलेरियम, कार्यशाला, काष्ठ संग्राहलय और एडवांस वुडवर्किंग ट्रेनिंग सेंटर का दौरा किया।

प्रदर्शनि कार्यक्रम

- व.आ.वृ.प्र.सं., कोयम्बत्तूर द्वारा 22 मार्च 2022 को जनजातियों और किसानों के लिए किचन गार्डन, टैरेस गार्डन और अन्य समान अनुप्रयोगों में उपयोग हेतु जैव अपशिष्ट खाद के साथ कॉयर पिथ अपशिष्ट खाद, पुष्प अपशिष्ट एवं वनस्पति अपशिष्ट खाद का उपयोग करके विकसित अपशिष्ट आधारित पॉटिंग मिश्रण, बायोप्रोडक्ट ट्री रिच बायोबूस्टर पर प्रदर्शनों का आयोजन किया गया।
- व.व.अ.सं., जोरहाट ने 10 मार्च 2022 को बांस की खेती, प्रवर्धन, पौधशाला प्रबंधन, मूल्यवर्धन और बांस परिरक्षण तकनीकों पर प्रदर्शन आयोजित किए।
- व.व.अ.सं., जोरहाट द्वारा 28 मार्च 2022 को जिस्ट, जोरहाट के छात्रों के लिए बांस की खेती, प्रवर्धन, पौधशाला प्रबंधन, मूल्यवर्धन और बांस परिरक्षण तकनीकों पर प्रदर्शन आयोजित किए गए।
- उ.व.अ.सं., जबलपुर द्वारा 21 मार्च 2022 को राज्य वन सेवा, कोयम्बत्तूर (तमिलनाडु) के वन रेंज अधिकारी, 2021–22 बैच के समूह को चंदन आधारित कृषि वानिकी प्रणाली और अनुसंधान गतिविधियों का प्रदर्शन किया गया।
- उ.व.अ.सं., जबलपुर द्वारा 24 से 25 मार्च 2022 को फाउंडेशन ऑफ एमएसएमई क्लस्टर, नई दिल्ली और महाराष्ट्र के सदस्यों को बांस स्लाइसर और बांस रोपण का प्रदर्शन किया गया।
- उ.व.अ.सं., जबलपुर द्वारा 29 मार्च 2022 को हल्द्वानी से प्रशिक्षु रेंजरों को उ.व.अ.सं. की अनुसंधान गतिविधियों का प्रदर्शन किया गया।

समझौता ज्ञापन

- शु.व.अ.सं., जोधपुर द्वारा 10 मार्च 2022 को अ.भा.स.अनु.प.–26 के अंतर्गत नीम के बीजों से अज़ाडिराक्टिन सामग्री के मात्रात्मक आकलन के लिए एमिटी यूनिवर्सिटी के साथ समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए गए।
- 3 मार्च 2022 को व.आ.वृ.प्र.सं., कोयम्बत्तूर और कैम्पा केरल वन विभाग के बीच समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए गए।

गणमान्य व्यक्तियों का दौरा

- श्री प्रेम कुमार झा, भा.व.से., वन महानिरीक्षक, प.व.एवं ज.प.मं. ने 2 मार्च 2022 को व.आ.वृ.प्र.सं., कोयम्बत्तूर का दौरा किया।
- 23 मार्च 2022 को मुख्य सचिव, हिमाचल प्रदेश और अपर मुख्य सचिव वन, (हिमाचल प्रदेश सरकार) हि.व.अ.सं., शिमला।
- अरुणाचल प्रदेश के उपमुख्यमंत्री श्री चौना मीन ने 4 मार्च 2022 को हि.व.अ.सं., शिमला का दौरा किया। अपनी यात्रा के दौरान, उन्होंने संस्थान की अनुसंधान और विकास गतिविधियों के बारे में वैज्ञानिकों के साथ बातचीत की और "निर्वात दाब संसेचन इकाई" के साथ–साथ व.व.अ.सं., जोरहाट में "पादपालय इकाई" का उद्घाटन किया।
- प्रमुख, जैव अनुसंधान विकास, डाबर अनुसंधान विकास केंद्र गाजियाबाद ने उ.व.अ.सं., जबलपुर का दौरा किया।

श्री प्रेम कुमार झा, भा.व.से., वन महानिरीक्षक, प.व.ज.प.मं. ने व.आ.वृ.प्र.सं., कोयम्बत्तूर का दौरा किया

प्रमुख, जैव अनुसंधान विकास, डाबर अनुसंधान विकास केंद्र गाजियाबाद ने उ.व.अ.सं., जबलपुर का दौरा किया

आकाशवाणी/दूरदर्शन के माध्यम से प्रसार

कार्यक्रम विषय	चैनल	दिनांक
हिमालयन वन अनुसंधान संस्थान, शिमला		
उत्तर–पश्चिमी हिमालय का जैव विविधता संरक्षण और उत्तर–पश्चिम दूरदर्शन हिमालय में पाए जाने वाले महत्वपूर्ण औषधीय पौधों के बारे में जानकारी तथा संस्थान द्वारा पॉटर हिल, शिमला में स्थापित की जा रही पश्चिमी हिमालय समशीतोष्ण वाटिका/आर्बोरेटम के बारे में संक्षिप्त जानकारी –डॉ. वनीत जिस्टू, वैज्ञानिक–ई	दूरदर्शन	3 मार्च 2022
"स्वच्छ पर्यावरण का अधिकार और सामाजिक दायित्व". डॉ. वनीत जिस्टू, वैज्ञानिक–ई	दूरदर्शन	13 मार्च 2022
"जलवायु परिवर्तन के संबंध में जैवविविधता संरक्षण एवं प्रबंधन" – डॉ. एस.एस. सामंत, निदेशक, हि.व.अ.सं., शिमला	दूरदर्शन	14 मार्च 2022
"जैवप्रौद्योगिकीय उपकरणों का उपयोग जैवविविधता संरक्षण" – डॉ. एस.एस. सामंत, निदेशक, हि.व.अ.सं.,	दूरदर्शन	14 मार्च 2022
जैवविविधता संरक्षण – डॉ. एस.एस. सामंत, निदेशक, हि.व.अ.सं., शिमला	दूरदर्शन	21 मार्च 2022

मानव संसाधन समाचार

नियुक्ति (नियमित)

अधिकारी का नाम	दिनांक
श्री विजय कांत मिश्रा, भा.वा.से. (झा.: 2013), डीसीएफ, व.अ.सं., देहरादून	24.03.2022
श्री विजय रात्रे, भा.वा.से. (छः 2011), डीसीएफ, व.अ.सं., देहरादून	15.03.2022
डॉ. रेनु सिंह, भा.वा.से. (म.प्र.: 1990), निदेशक, व.अ.सं., देहरादून	28.03.2022

सेवानिवृत्ति

अधिकारी का नाम	दिनांक
डॉ. सुधीर सिंह, वैज्ञानिक–'जी', व.अ.सं., देहरादून	31.03.2022
डॉ. साधना त्रिपाठी, वैज्ञानिक–'जी', व.अ.सं., देहरादून	31.03.2022

संप्रत्यावर्तन

अधिकारी का नाम	दिनांक
श्री अनुराग भारद्वाज, भा.व.से. (रा.:1993), निदेशक (अंतरराष्ट्रीय सहयोग), भा.वा.अ.शि.प.	07.03.2022

सरंक्षकः
श्री अरूण सिंह रावत, महानिदेशक, भा.वा.अ.शि.प., देहरादून

संपादक मंडलः
डॉ. सुधीर कुमार, उप महानिदेशक (विस्तार), अध्यक्ष
डॉ. गीता जोशी, सहायक महानिदेशक (मीडिया एवं विस्तार), मानद सम्पादक
श्री रमाकान्त मिश्र, मुख्य तकनीकी अधिकारी, (मीडिया एवं विस्तार), सदस्य

प्रत्याख्यान
- केवल निजी रूप से प्रसारण करने हेतु।
- वानिकी समाचार में प्रकाशित सामग्री, संपादक मंडल के विचारों को अनिवार्यतः प्रतिबिंबित नहीं करती हैं।
- यहाँ प्रकाशित सूचना के लिए किसी भी प्रकार के नुकसान की भरपाई के लिए भा.वा.अ.शि.प. उत्तरदायी नहीं होगा।